पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

PONDICHERRY UNIVERSITY

(मानविकी विद्यापीठ/SCHOOL OF HUMANITIES)

हिंदी विभाग

DEPARTMENT OF HINDI

P.G Diploma in Functional Hindi and Translation

[Add-on-Evening Course]

(The revised syllabus shall be effective from the Academic Year 2020-21 onwards.)

रजत जयंती परिसर
Silver Jubilee Campus
आर. वेंकटरामन नगर, कालापेट
R. Venkataraman Nagar, Kalapet
पुदुच्चेरी - 605 014, भारत.
Puducherry – 605 014, INDIA.

P.G Diploma in Functional Hindi and Translation
[Add-on-Evening Course]

(The revised syllabus shall be effective from the Academic Year 2017-18 onwards.)

ELIGIBILITY FOR ADMISSION

Students who have passed their Bachelor's degree in Hindi with a minimum of 50% of marks or any degree with Hindi as a subject of study under part I/II or pass in any recognized degree awarded by the voluntrary Hindi Organizations recognized by the Govt. of India.

DURATION OF THE COURSE

The P.G Diploma in Translation course shall be of two consecutive semesters (One Year)

MEDIUM OF INSTRUCTION

The Medium of Instruction for all the courses shall be Hindi

PATTERN OF EXAMINATION

The End-Semester Examinations for the course shall conducted by the Department of Hindi, Pondicherry University for a maximum of 60 marks and Internal Assessment for 40 marks.

Theory Papers

- Duration of Exam : 3 hours
- Total marks : 60 Marks

Internal Assessment

Internal Assessment for the course shall be done on the basis of two internal Assessment tests (15 marks each) and Assignments/Write –ups (10 marks)

To pass a course the student must secure minimum of 40 out of 100 marks (40%). Internal Assessment and the End-Semester Examination.

SUPPLEMENTARY EXAMINATION

- A failed student who meets the attendance requirement may be permitted to register for the next end-semester examination in the following semester itself.
- Students who have failed due to insufficient attendance and /or less than 40% Internal Assessment marks should repeat the course as and when offered.

COURSE STRUCTURE OF P.G DIPLOMA IN TRANSLATION

P.G Diploma in Translation Course [Add-on-Course) consists of six Hard Core papers three credits each and One Project (2 credits). I Semester three Hard Core papers and II Semester three Hard Core papers and One Project. (For other applicable Rules and Regulations kindly refer the Choice Based Credit System Regulations, of Pondicherry University)

List of Courses for the P.G Diploma in Trnaslation

S.No.	*Course Code*	*Course Title*	*Credits*
I SEMESTER			
1.	PGDT 401	PRAYOJAN MOOLAK HINDI KE VIVIDHA AYAM	3 Credits
2.	PGDT 402	AALEKHAN, TIPPAN AUR PATRA LEKHAN	3 Credits
3.	PGDT 403	MEDIA LEKHAHN	3 Credits
II SEMESTER			
4.	PGDT 404	ANUVAD SIDHANT	3 Credits
5.	PGDT 405	ANUVAD VAYAVHAR	3 Credits
6.	PGDT 406	PATRAKARITA	3 Credits
7.	PGDT 407	PROJECT	2 Credits

P.G. DIPLOMA IN FUNCTIONAL HINDI AND TRANSLATION

पाठ्यक्रम की संक्षिप्त पृष्ठभूमि, व्यावहारिकता एवं उपयोगिता

संसार में उपस्थित किसी भीभाषाके हमेशा से दो पक्ष होतेहैं, जहाँ पहले पक्षकीउपस्थित उसके सौन्दर्यपरक वर्णन के लिए होती है जोकि अधिकरत आत्मपरक होती हैं । वहीं भाषा का सामाजिकएवंव्यावहारिक उपयोग उसका दूसरा पक्ष है। इसी दूसरे पक्ष का विस्तार भाषा के प्रयोजनमूलक रूप में होता है। चूँकि भाषा मुख्यतः एक व्यवहार है, इसलिए भाषा शिक्षण को व्यवहार कौशल के रूप में अपनाया जाना चाहिए। यहव्यवहार कौशल भिन्न –भिन्नसमयों पर भिन्न –भिन्नसामाजिक सन्दर्भों मेंभिन्न –भिन्नप्रकार का होता है। इसलिए शैक्षिक सन्दर्भ को यदि सार्थक और व्यवहारपरकबनाना है, तब प्रयोजनमूलक हिंदीकी संकल्पना को अपनाना आवश्यक होगा।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य और विषय-क्षेत्र :

1- विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों में राजभाषा के रूप में प्रयुक्त हिन्दी भाषा का गहन ज्ञान प्राप्त कराना।

2- राष्ट्र की सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक विकास की आवश्यकताओं को दृष्टिपथ में रखकर संचार माध्यमों के उपयेाग और भाषिक तथा सर्जनात्मक क्षमता सम्पन्न युवावर्ग उपलब्ध कराना। इसके लिए प्रिंट मीडिया के सभी पक्षों और प्रसारण पत्रकारिता के भाषिक पक्ष पर विशेष ध्यान देकर मुख्यतः हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका, महती परम्परा और संभावनाओं से अवगत कराना।

3- राजभाषा और हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में विभिन्न पदों का दायित्व संभालने की दृष्टि से प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता की अवधारणाओं, सिद्धान्तों, कर्तव्यों, अधिकारों, सीमाओं, कानूनों आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान देते हुए व्यावहारिक सामर्थ्य का विकास करना।

4- कला, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अभियांत्रिकी, वाणिज्य, प्रबन्धन, विधि आदि क्षेत्रों में प्रयोजनमूलक हिन्दी के अनुप्रयोगों में दक्ष कार्यकर्ता, अनुवादक और दुभाषिए तैयार करना।

5- कोश निर्माण, शैली विज्ञान, मीडिया एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग, सर्वेक्षण और मीडिया शोध, समाचार पत्र का व्यावसायिक प्रबन्धन, संचार तकनीक, प्रसारण शैली, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रकारिता, पाठालोचन, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण आदि अन्य व्यवहार पक्षों एवं भाषायी कौशलों का विकास कर सरकारी, अर्धसरकारी एवं निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।

यहाँ यह ध्यातव्य है कि संचार क्रान्ति और वैश्वीकरण के अधुनातन दौर में जनसंचार माध्यम ऐसा व्यवहार क्षेत्र है जिसमें हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ देखी जा सकती है। अब यह स्थापित हो चुका है कि पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रयुक्त हिन्दी भाषा में वे सभी अवयव हैं जो हिन्दी के व्यवहार क्षेत्रों में प्रायः प्रयुक्त होते हैं। किसी भी स्तरीय हिन्दी समाचार पत्र में राजनीतिक, प्रशासनिक, व्यावसायिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, पारिभाषिक, कृषि, साहित्यिक, सांस्कृतिक आदि प्रमुख प्रयुक्तियों के साथ ही सम्पादकीय, सम्पादक के नाम पत्र, रूपक, खेलकूद समाचार, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन, शेयर आदि की विशिष्ट लेखन शैलियाँ भी परिलक्षित की जा सकती हैं। इन सबको ध्यान में रखकर अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (**P.G. Diploma In Translation**) पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

पाठ्यक्रम का परिचय और परिनियमावली :

प्रयोजनमूलक हिन्दी में उपर्युक्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एकशैक्षिकवर्षएवंदो शैक्षिक सत्रों में विभाजित है। प्रत्येक सत्र तीन – तीन पाठ्य विषयक प्रश्नपत्रों में उपविभाजित है। प्रत्येक सत्र में 100-100 अंकों के तीन प्रश्नपत्र और सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में कुल 600 अंकों के 6 प्रश्नपत्र होंगे। इन 100 अंकों के प्रश्नपत्रोंमें 60 अंक सत्रांत लिखित परीक्षा और 40 अंक आंतरिकमूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं।सैद्धान्तिक और व्यावहारिक पक्ष में संतुलन के लिए विद्यार्थी की प्रत्येक प्राध्यापक की कक्षाओं में कम-से-कम 7 0 प्रतिशत उपस्थिति और उसके द्वारा दिए गए प्रदाताकार्य को पूरा करना अनिवार्य है।साथ ही अंतिम सत्र में 100 अंक का एक प्रोजेक्ट कार्य होगा जिसकाउद्देश्य छात्रोंमेंव्यवहारिक ज्ञान का विकास करना है

P.G Diploma in Functional Hindi and Translation
[Add-on-Evening Course]

उपर्युक्त पाठ्यक्रम विषयों और प्रश्नपत्रों का सत्रानुसार शैक्षिक विवरण निम्नलिखित है :

I SEMESTER

Sl. No.	Course Code	Title of the Course	Credits
1.	**PGDT 401**	**PrayojanMoolak Hindi keVividhaAyam** **प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम**	3
2.	**PGDT 402**	**Aalekhan, Tippan Aur Patra Lekhan** **आलेखन, टिप्पण और पत्र लेखन**	3
3.	**PGDT 403**	**Media Lekhahn** **मीडिया लेखन**	3

II SEMESTER

Sl. No.	Course Code	Title of the Course	Credits
1.	**PGDT 404**	**Anuvad Sidhant** **अनुवाद सिद्धांत**	**3**
2.	**PGDT 405**	**Anuvad Vayavhar** **अनुवाद व्यवहार**	**3**
3.	**PGDT 406**	**Patrakarita** **पत्रकारिता**	**3**
4	**PGDT 407**	**Project/परियोजना**	**2**

PGDT 401 -प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम
PGDT 401 -PRAYOJAN MOOLAK HINDI KE VIVIDHA AYAM

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – परिभाषाऔर स्वरूप
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी–व्यवहार क्षेत्र
3. राजभाषा हिंदी
4. संवैधानिक प्रावधानराजभाषा अधिनियम ,1963 राष्ट्रपति के आदेश - ,1960 राजभाषा संकल्प1968 राजभाषा नियम, 1976
5. प्रशासनिक हिंदी
6. प्रयोजनमूलक हिन्दीऔरअनुवाद

अंक विभाजन

अंक विभाजन : सत्रांत लिखित परीक्षा : **60** अंक

समय : तीन घंटे

2 निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 15 = 30** अंक
2 लघूत्तरी/संक्षिप्त निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 10 = 20** अंक
2 टिप्पणी लिखिए	-	**2 x 5 = 10** अंक

सत्रीय आंतरिकमूल्यांकन हेतु विनिर्दिष्ट कार्य : **40** अंक

1 एकप्रदत्त कार्य	-	**1 x 10 = 10** अंक
1 एक आंतरिकमूल्यांकन	-	**1 x 20 = 20** अंक
1 एक सेमिनार पत्र	-	**1 x 10 = 10** अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची

1- हिन्दी के प्रयुक्तिपरक आयाम - सं. सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
2- प्रयोजनमूलक हिन्दी -सं.डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
3- प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5- हिन्दी भाषा की संरचना - डॉ.भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6- मानक हिन्दी का शुद्धिपरक व्याकरण - डॉ. रमेश चन्द्र मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन।
7- व्यावसायिक हिन्दी - डॉ. दिलीप सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
8- भाषाविज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण, नई दिल्ली।
9- हिन्दी भाषा - डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
10- पारिभषिक शब्दावली : कुछ समस्याएँ -सं.डॉ.भोलानाथ तिवारी एवं महेन्द्र चतुर्वेदी, शब्दकार, दिल्ली

PGDT 402 - आलेखन, टिप्पण और पत्र लेखन
PGDT 402 - AALEKHAN, TIPPAN AUR PATRA LEKHAN

1. पत्र लेखन एवं उसके प्रकार
2. प्रारूप लेखन
3. टिप्पण
4. प्रतिवेदन
5. संक्षेपण

अंक विभाजन

अंक विभाजन : सत्रांत लिखित परीक्षा : **60** अंक

समय : तीन घंटे

2 -निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 15 = 30** अंक
2 -लघूत्तरी/संक्षिप्त निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 10 = 20** अंक
2- टिप्पणी लिखिए	-	**2 x 5 = 10** अंक

सत्रीय आंतरिकमूल्यांकन हेतु विनिर्दिष्ट कार्य : **40** अंक

1- एकप्रदत्त कार्य	-	**1 x 10 = 10** अंक
2- एक आंतरिकमूल्यांकन	-	**1 x 20 = 20** अंक
3- एक सेमिनार पत्र	-	**1 x 10 = 10** अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची

1- राजभाषा का स्वरूप और विकास - डॉ.कैलाशचंद्रभाटिया, भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता।
2- राजभाषा हिन्दी : प्रचलन और प्रसार - डॉ.रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन, पटना।
3- प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और व्यवहार -रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5- प्रशासन में राजभाषा हिन्दी - डॉ. नारायण दत्त पालीवाल, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6- प्रशासनिक कामकाजी शब्दावली - डॉ.हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
7- आवेदनपत्रप्रारूप - शिवनारायण चतुर्वेदी, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली।
8- कार्यालयी हिन्दी - ठाकुर दास, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।
9- केन्द्रीय सचिवालय कार्यालय पद्धति - कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली।
10- सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग - गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11- सचिवालय नोटिंगड्राफ्टिंग एवं प्रेस राइटिंग– जी.एल.टण्डन एवं सरन, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
12- प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण - विराज एम. ए.राजपाल एण्डसन्ज़, दिल्ली

PGDT 403 -मीडिया लेखन
PGDT 403 -MEDIA LEKHAN

पाठ्य विषय :

1. समाचार लेखन और संपादन
2. समाचार की परिभाषा, मूल्य,स्रोत
3. लेखन प्रक्रिया
4. समाचार संपादन ,संपादन के तत्व एवंसंपादन के महत्वपूर्ण चरण
5. प्रिंट मीडिया के लिए लेखन
6. दृश्य मीडिया के लिए लेखन
7. श्रव्य मीडिया के लिए लेखन
8. संपादकीय लेखन
9. फीचर लेखन
10. संवाद लेखन

अंक विभाजन

अंक विभाजन : सत्रांत लिखित परीक्षा : **60** अंक
समय : तीन घंटे

2- निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 15 = 30** अंक
2 -लघूत्तरी/संक्षिप्त निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 10 = 20** अंक
2 -टिप्पणी लिखिए	-	**2 x 5 = 10** अंक

सत्रीय आंतरिकमूल्यांकन हेतु विनिर्दिष्ट कार्य : **40** अंक

1- एकप्रदत्त कार्य	-	**1 x 10 = 10** अंक
2- एक आंतरिकमूल्यांकन	-	**1x 20 = 20** अंक
3- एक सेमिनार पत्र	-	**1 x 10 = 10** अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची

1- समाचार सम्पादन - कमल दीक्षित, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल।
2- समाचार सम्पादन -प्रेमनाथ चतुर्वेदी - उपहार प्रकाशन, दिल्ली।
3- सम्पादन कला – डॉ.संजीवभानावत, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स, जयपुर।
4- समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला - डॉ.हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

PGDT 404- अनुवाद सिद्धांत
PGDT 404- ANUVAD SIDHANT

1. अनुवाद : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, सीमाएँ
2. अनुवाद-प्रक्रिया : विश्लेषणऔरअंतरण और पुनर्गठन
3. अनुवाद के प्रकार
4. अनुवाद-सामग्री के प्रकार और अनुवाद की समस्याएँ
5. राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति और अनुवाद
6. अनुवादक के गुण

अंक विभाजन

अंक विभाजन : सत्रांत लिखित परीक्षा : **60** अंक

समय : तीन घंटे

2 निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 15 = 30** अंक
2 लघूत्तरी/संक्षिप्त निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 10 = 20** अंक
2टिप्पणी लिखिए	-	**2 x 5 =10** अंक

सत्रीय आंतरिकमूल्यांकन हेतु विनिर्दिष्ट कार्य : **40** अंक

1- एकप्रदत्त कार्य	-	**1 x 10 = 10** अंक
2- एक आंतरिकमूल्यांकन	-	**1 x 20 = 20** अंक
3- एक सेमिनार पत्र	-	**1 x 10 = 10** अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची

1- अनुवाद का भाषिक सिद्धान्त –जे. सी.केटफोर्ड (अनु.डॉ.रविशंकर दीक्षित), मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।

2-अनुवाद विज्ञान - सं.डॉ.नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।

3-अनुवाद : सिद्धान्त और समस्याएँ - सं.डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव तथा कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली ।

4-अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

5-अनुवाद विज्ञान - डॉ भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली ।

6-अनुवाद कला -डॉ.भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली ।

7- अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण - डॉ.हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।

8- पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ - डॉ.भोलानाथ तिवारी तथा जितेन्द्र गुप्त शब्दकार, दिल्ली ।

PGDT 405 -अनुवाद व्यवहार
PGDT 405- ANUVAD VAYAVHAR

1. सामाजिक ज्ञान की सामग्री का अनुवाद
2. कार्यालयी साहित्यका अनुवाद
3. जनसंचारमाधयमों की सामग्री का अनुवाद
4. सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का अनुवाद
5. अंग्रेजी– हिंदी अभिव्यक्तियाँ
6. मशीनी अनुवाद : संभावनाएँ और सीमाएँ

अंक विभाजन

अंक विभाजन : सत्रांत लिखित परीक्षा : **60** अंक

समय : तीन घंटे

2- निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 15 = 30** अंक
2- लघूत्तरी/संक्षिप्त निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 10 = 20** अंक
2-टिप्पणी लिखिए	-	**2 x 5 = 10** अंक

सत्रीय आंतरिकमूल्यांकन हेतु विनिर्दिष्ट कार्य : **40** अंक

1- एकप्रदत्त कार्य	-	**1 x 10 = 10**अंक
1- एक आंतरिकमूल्यांकन	-	**1 x 20 = 20**अंक
1- एक सेमिनार पत्र	-	**1 x 10 = 10**अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची

1-अनुवाद विज्ञान - डॉ.राजमणि शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।
2-भारतीय भाषा और हिन्दी अनुवाद : समस्या समाधान - सं.डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3- अनुवाद और मशीनी अनुवाद - सं.गार्गी गुप्त तथा अन्य, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली ।
4-अनुवाद : विविध आयाम - सं. माणिक गोपाल चतुर्वेदी तथा कृष्ण कुमार गोस्वमाी - केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,
5- कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ - सं.डॉ.भोलानाथ तिवारी एवं अन्य ,शब्दकार, दिल्ली

PGDT 406 - पत्रकारिता
PGDT 406 –PATRAKARITA

1. पत्रकारिता परिभाषा उद्देश्यऔर सामाजिक दायित्व
2. भारत में समाचार पत्रों की स्थिति
3. समाचाररिपोर्टिंग – सिद्धांत ,तकनीक और प्रकार
4. संपादकीय विभाग का ढांचा
5. संपादन के सिद्धांत
6. फीचर लेखन
7. पृष्ठ सज्जा
8. प्रेस कानून एवं आचार संहिता
9. पत्रकारिता के क्षेत्र में जीविकोपार्जन

अंक विभाजन

अंक विभाजन : सत्रांत लिखित परीक्षा : **60** अंक

समय : तीन घंटे

2- निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 15 = 30** अंक
2- लघूत्तरी/संक्षिप्त निबन्धात्मक प्रश्न	-	**2 x 10 = 20** अंक
2-टिप्पणी लिखिए	-	**2 x 5 = 10** अंक

सत्रीय आंतरिकमूल्यांकन हेतु विनिर्दिष्ट कार्य : **40** अंक

1- एकप्रदत्त कार्य	-	**1 x 10 = 10** अंक
2- एक आंतरिकमूल्यांकन	-	**1 x 20 = 20** अंक
3- एक सेमिनार पत्र	-	**1 x 10 = 10** अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. समाचार सम्पादन और पृष्ठसज्जा - डॉ.रमेश कुमार जैन ।
2. आधुनिक समाचारपत्र, मुद्रण और पृष्ठसज्जा - श्यामसुन्दर शर्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
3. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम (भाग-1 , सं. 2) - डॉ.वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेन्टर, नई दिल्ली ।
4. द राईजएण्डग्रोथआफ हिंदी जर्नलिज्म - डॉ. राम रतन भटनागर, किताब महल, इलाहाबाद ।
5. समाचार पत्रों का इतिहास - अम्बिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमण्डललि., वाराणसी ।
6. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

बृहद् हिन्दी पत्र-पत्रिका कोश : डॉ.सूर्यप्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली